Govt. Mankunwar Bai Art & Commerce Autonomous College For Women, Jabalpur (M.P.)

Theory Paper

Part A Introduction				
Program: Honours/Research		**Class :** B.A.	**Year: IV**	**Session: 2024-25**
Subject: PHILOSOPHY				
1	**Course Code**	**A4PHIL1D**		
2	**Course Title**	Vedant Darshan - (**Paper I**)		
3	**Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/)**	DSE – I		
4	**Pre-requisite**	To study this course, a student must have had this subject in Degree.		
5	**Course Learning outcomes (CLO)**	**On successful completion of this course, the students will be able to:** 1. After the completionof this course the student will enable to get deep and sound knowledge of Vedant Philosophy. 2. This course will motivate student to delve into this field of knowledge and opt this study in the pursuit of his further study. 3. This course will enrich student with the entire tradition of Vedant Philosophy within the fold of classical Indian tradition. 4. The Student will develop critical insight about different schools of Vedanta Philosophy with the perspective of Indian Cultural Philosophy and he will become a good orator and motivational speaker.		
6	**Credit Value**	04		
7	**Total Marks**	Max. Marks: 30 + 70	Min. Passing Marks: 35	

Part B- Content of the Course		
Total No. of Lectures- 60 Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 2– 0 – 0 (per week)		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures**
1.	Introduction of Vedant Darshan 1. Meaning,nature and Influence of Vedant. 2. Upanishads - The last part of Vedas. 3. Nature of Vedant in Prasthantrayi. 4. Characteristics of Vedant Darshan Key word - Veda, Upanishad, Prasthantrayi, Vedant.	12
2.	Main Vedanties - I 1. Acharya Shankara and his tradition - Advait Vedant. 2. SadhanaChatushtaya - Viveka, Vairagya, ShatSampatti and Mumukshutva. 3. Parinamavada and Vivartavada and Nature of Maya. 4. Nature of Brahma and Jagat, Nature of Jiva, Saguna and Nirguna Ishwar. Key word – Acharya Shamkara, Advait Vedant, Sadhana Chatushtaya, Vivartvad.	12
3	Main Vedanties - II	12

	1. Acharya Ramanuja and his tradition - Vishishtadvaitavad. 2. Nature of Ishwar, Relation of Ishwar with Jiva and Jagat. 3. Criticism of Mayavada – Saptavidh anuppattiyan. 4. Moksha - Nature, Means and Kinds. Key word – Acharya Ramanuja, Vishishtadvaita, Ishwar, Jiva, Moksha.	
4	Main Vedanties - III 1. Acharya Nimbarka and his tradition - Bhedabhedvada. 2. Nature and characteristics of Bhedabhedvad. 3. Acharya Madhva and his tradition - Dvaitavad. 4. Nature and characteristics of Dvaitvad. Key word – Nimbarkacharya, Madhvachary.	12
5	Main Vedanties -IV 1. Acharya Vallabha and his tradition - Shuddhadvaitavad. 2. Nature and characteristics of Shuddhadvaitvad 3. Chaitanya Mahaprabhu and his tradition – Achintya Bhedabhedvad. 4. Nature and characteristics of Achintya Bhedabhedvad. Key word – Vallabhacharya, Chaitanyamahaprabhu.	12

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

1.Suggested Readings:

- Dutta & Chatterjee, An Introduction to Indian Philosophy, University of Calcutta, 1968.
- Hiriyanna,M. Outlines of Indian Philosophy, George Allen and Unwin, London, 1932.
- Radhakrishnan, S., Indian Philosophy (Vol. I & II), Oxford University Press, New Delhi, 2008
- Sharma, C. D., A Critical Servey of Indian Philosophy, Motilal Banarsi das, New Delhi, 2016

2. Suggestive digital platforms/ web links

- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.442023/mode/1up?view=theatre
- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.319713/mode/1up?view=theatre
- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.429881/mode/1up?view=theatre
- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.403237/mode/1up?view=theater
- https://www.advaita-vedanta.org/avhp/
- https://www.yesvedanta.com/
- https://www.vedantahub.org/

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 Marks University Exam (UE): 70 Marks

Internal Assessment : Continuous	Class Test Assignment/Presentation	
Comprehensive Evaluation (CCE)		30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	**Section(A)** : Very Short Questions **Section (B) :** Short Questions **Section (C)** : Long Questions	70

Any remarks/ suggestions:

Department of Higher Education

शासकीय मानकुँवरबाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: ऑनर्स/शोध		कक्षा : बी. ए.	वर्ष: चतुर्थ	सत्र: 2024-25
विषय: दर्शनशास्त्र				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A4PHIL1D		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वेदान्त दर्शन (प्रश्न पत्र I)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव	DSE – I		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डीग्री में किया हो।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे: 1. इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी वेदान्त दर्शन का गहन एवं विस्तृत ज्ञान प्राप्त करने योग्य बनेगा। 2. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थी को ज्ञान के क्षेत्र में श्रेष्ठतम करने के लिए प्रेरित करेगा एवं विद्यार्थी आगामी अध्ययन के लिए इसका चुनाव कर सकेगा। 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय शास्त्रीय परम्परा के अंतर्गत विद्यार्थी को वेदान्त दर्शन के संपूर्ण ज्ञान से समृद्ध कर सकेगा। 4. विद्यार्थी वेदान्त की विभिन्न शाखाओं के अध्ययन हेतु समीक्षात्मक अंतर्दृष्टि विकसित कर सकेगा एवं भारतीय संस्कृति दर्शन के परिप्रेक्ष्य में एक प्रेरक वक्ता एवं उदबोधक बनेगा।		
6	क्रेडिट मान	04		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या – 60 ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P: 02-0-0**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटा/ व्याख्यान)
I	वेदान्त दर्शन का परिचय 1. वेदांत का अर्थ, स्वरूप एवं प्रभाव। 2. वेदों के अन्तिम भाग के रूप में - उपनिषद्। 3. प्रस्थानत्रयी में वेदान्त का स्वरूप। 4. वेदान्त दर्शन की विशेषताएं। कुंजी शब्द - वेद, उपनिषद्, प्रस्थानत्रयी, वेदान्त।	12
II	मुख्य वेदान्ती- एक 1. आचार्य शंकर एवं उनकी स्थापनाएँ - अद्वैत वेदान्त। 2. साधन चतुष्टय - विवेक, वैराग्य, षट् सम्पत्ति एवं मुमुक्षुत्व। 3. परिणामवाद एवं विवर्तवाद, माया का स्वरूप। 4. ब्रह्म एवं जगत् का स्वरूप, जीव का स्वरूप, सगुण एवं निर्गुण	12

	ईश्वर। **कुंजी शब्द** - आचार्य शंकर, अद्वैत वेदान्त, साधन चतुष्टय, विवर्तवाद।	
III	**मुख्य वेदान्ती- दो** 1. आचार्य रामानुज एवं उनकी स्थापनाएँ - विशिष्टाद्वैतवाद। 2. ईश्वर का स्वरूप, ईश्वर का जीव एवं जगत् से सम्बन्ध। 3. मायावाद की आलोचना - सप्तविध अनुपपत्तियाँ। 4. मोक्ष - स्वरूप, साधन एवं प्रकार। **कुंजी शब्द** - आचार्य रामानुज, विशिष्टाद्वैत, ईश्वर, जीव, मोक्ष।	12
IV	**मुख्य वेदान्ती- तीन** 1. आचार्य निम्बार्क एवं उनकी स्थापनाएँ - भेदाभेदवाद। 2. भेदाभेदवाद का स्वरूप एवं विशेषताएं। 3. आचार्य मध्व एवं उनकी स्थापनाएँ - द्वैतवाद। 4. द्वैतवाद का स्वरूप एवं विशेषताएं। **कुंजी शब्द** - आचार्यनिम्बार्क, मध्वाचार्य।	12
V	**मुख्य वेदान्ती- चार** 1. आचार्य वल्लभ एवं उनकी स्थापनाएँ- शुद्धाद्वैतवाद। 2. शुद्धाद्वैतवाद का स्वरूप एवं विशेषताएं। 3. चैतन्य महाप्रभु एवं उनकी स्थापनाएँ - अचिन्त्य भेदाभेदवाद। 4. अचिन्त्य भेदाभेदवाद का स्वरूप एवं विशेषताएं। **कुंजी शब्द** -वल्लभाचार्य एवं चैतन्य महाप्रभु।	12

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. **अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:**

- सिन्हा, प्रो. हरेन्द्र प्रसाद, "भारतीय दर्शन की रूपरेखा", मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1963
- देवराज, नन्द किशोर, "भारतीय दर्शन", उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, लखनऊ, 1975
- शर्मा, डॉ. चन्द्रधर, "भारतीय दर्शन आलोचन और अनुशीलन", मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 1995
- सिंह, डॉ. बी.एन. एवं सिंह. आशा सिंह, "भारतीय दर्शन", स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स एण्ड कम्पनी, 1996
- उपाध्याय, बलदेव, "भारतीय दर्शन", शारदा मन्दिर वाराणसी, 1997
- राधाकृष्णन्, डॉ. एस., "भारतीय दर्शन भाग 1 एवं 2", राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली, 2000
- दत्त एवं चटर्जी, "भारतीय दर्शन", पुस्तक महल, पटना, 2013
- खरे, प्रदीप कुमार एवं शाक्य, आर पी, "भारतीय दर्शन", मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 2019

Department of Higher Education

- डॉ. मेहर लक्ष्मी, "आचार्य शंकर का अद्वैतवाद - सिद्धांत एवं व्यवहारिक स्वरूप", 2019 राईटर च्वाईस पब्लिकेशन्स्, प्रा. लि. नई दिल्ली
- डॉ. त्रिपुरारी बाबू श्रीवास्तव - आचार्य शंकर कृत उपनिषद भाष्यों का समीक्षात्मक अध्ययन, 2021, राईटर च्वाईस पब्लिकेशन्स्, प्रा. लि. नई दिल्ली

1. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेब लिंक

- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.442023/mode/1up?view=theatre
- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.319713/mode/1up?view=theatre
- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.429881/mode/1up?view=theatre
- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.403237/mode/1up?view=theater
- https://www.advaita-vedanta.org/avhp/
- https://www.yesvedanta.com/
- https://www.vedantahub.org/

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	**30**
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग (ब): लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**70**

कोई टिप्पणी/सुझाव: